हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, सोमवार, 2 जून 2025

11 कवि गोष्ठी में कवियों ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

12 मई माह में 140 बुलेट मोटसाइकिल किए इम्पाउंड

खबर संक्षेप

गाड़ी में तोड़फोड़ कर युवक से की मारपीट

फतेहाबाद। गांव मेहूवाला के समीप कुछ लोगों ने एक गाड़ी में तोड़फोड़ करते हुए युवक की पिटाई कर दी। बेहोश युवक को हमलावर रेलवे ट्रेक के पास छोडक़र चले गए। बाद में घायल को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज भर्ती करवाया गया है। इस मामले में भट्टूकलां पुलिस ने बनमंदौरी सरपंच सहित 3 लोगों को नामजद करते हुए केस दर्ज किया है।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की मासिक बैठक 3 को

फतेहाबाद। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन फतेहाबाद की मासिक बैठक 3 जून मंगलवार को प्रातः 10 बजे पुराना बस स्टैण्ड, जाट धर्मशाला के पास स्थित रेस्ट हाऊस में होगी। इस मीटिंग में रिटायर्ड कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की मांगों को लेकर राज्य कार्यकारिणी की सरकार से हुई बातचीत बारे भी सदस्यों को जानकारी दी जाएगी।

दो भाइयों पर तेजधार हथियार से हमला

फतेहाबाद। भट्टू क्षेत्र के गांव बनमंदौरी में मामूली कहासुनी के चलते कुछ युवकों ने दो भाइयों पर तेजधार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बनमंदौरी निवासी आनंद कुमार ने कहा कि गत दिवस वह अपने भाई विकास के साथ खेत से वापस अपने घर आ रहा था। जैसे ही वह गांव बनमंदौरी खेल ग्राऊंड के पास पहुंचे तो सडक़ किनारे एक कार खड़ी थी। कार में से प्रवीन, मनेस और रवि भट्टूकलां अपने 2-3 साथियों के साथ उतरे और उस पर हमला कर दिया।

एनिमल रेस्क्यू ट्रस्ट ने शुरू की निःशुल्क सेवा

फतेहाबाद। बेसहारा, जख्मी व बीमार कुत्तों व अन्य जीवों के ईलाज व संरक्षण के लिए काम कर रही पाव एण्ड प्रिंट एनिमल रेस्क्यू ट्रस्ट ने जानवरों की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन मशीन की स्थापना की है। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं गौपुत्र सेना के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रवीण सोनी व उपाध्यक्ष विकास नायक ने बताया कि एनिमल रेस्क्यू टीम व समाज के दानी सज्जनों के सहयोग से फतेहाबाद जिले में एक मात्र पशुओं की ऑक्सीजन मशीन को खरीदा गया।

जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता आज

फतेहाबाद। जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा प्रतियोगिता, जिला कुमार व जिला केसरी दंगल लड़के व लड़कियां का आयोजन 2 जून को भोडिया खेडा खेल स्टेडियम फतेहाबाद में करवाया जाएगा। इसके अलावा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 10 से 13 जून तक पंचकूला में आयोजित होंगी। उपायुक्त मनदीप कौर ने बताया कि जिला स्तरीय कुश्ती अखाड़ा के विजेता पहलवान राज्य स्तरीय अखाड़ा प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करेंगे।

बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में तीन काबू

सिरसा। कालांवाली थाना पुलिस ने नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कालांवाली थाना प्रभारी रामफल ने बताया कि पीड़िता के पिता की शिकायत पर आरोपियों द्वारा उसकी नाबालिग बेटी को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला फुसलाकर ले जाने व पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

रवि प्रदोष व्रत 8 जून को, भगवान शिव की अराधना करने से मिलेगी सुख-समृद्धि और जीवन में सफलता

श्रद्धालुओं को उपवास रखने से रोग और दोषों से मिलेगी मुक्तिः पंडित सोनू शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

इस बार आठ जून को रवि प्रदोष व्रत रखा जाएगा। जो सनातन धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए समर्पित होता है। फतेहाबाद के प्रसिद्ध श्री श्याम मंदिर के पुजारी पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि मान्यता है कि इस दिन पूजा करने से भगवान शिव की कृपा से सुख-समृद्धि और जीवन में सफलता मिलती है। इस दिन सुबह से शाम तक व्रत रखा जाता है और भगवान शिव समेत उनके पूरे परिवार की पूजा की जाती है। पंडित सोनू शर्मा ने बताया कि शिव पुराण के अनुसार इस दिन श्रद्धालुओं द्वारा उपवास रखने से साधक रोग और दोषों से मुक्ति पाता है और धन-सम्पदा की प्राप्ति होती है। ऐसा करने से करियर में भी लाभमिलता है, रवि प्रदोष का संयोग कई तरह के दोषों को दूर करता है और तरक्की मिलती है। रविवार को पड़ने वाले प्रदोष व्रत से आयु वृद्धि तथा अच्छा स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया जा सकता है। प्रदोष व्रत को रखने से दो गायों को दान देने के समान पुण्य फल प्राप्त होता है।

शिव पुराण के अनुसार इस दिन उपवास रखने से साधक रोग व दोषों से मिलती मुक्ति

प्रदोष में इन बातों का रखें ध्यान, ऐसे करें पूजा

पंडित सोनू शर्मा के अनुसार भगवान शिव की प्रदोष काल में पूजा किए बिना भोजन ग्रहण न करें। व्रत के समय में अन्न, नमक, मिर्च आदि का सेवन नहीं करें। उन्होंने बताया कि प्रदोष व्रत के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य देकर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद पूजा स्थल की अच्छे से सफाई करके भगवान शिव का पंचामृत से अभिषेक करें। इसके बाद शिव परिवार का पूजन करें और भगवान शिव पर बेल पत्र, फूल, धूप, दीप आदि अर्पित करें। फिर प्रदोष व्रत की कथा का पाठ करें। पूजा के अंत में भगवान शिव की आरती करें और शिव चालीसा का पाठ जरूर करें। इसके बाद ही अपना उपवास खोलें।

निर्जला एकादशी 6 जून को व्रत रखने से मिलेगा 24 एकादशियों के बराबर पुण्य

रवि दोष व्रत से पूर्व 6 जून को निर्जला एकादशी मनाई जाएगी। इस बार एकादशी तिथि 6 जून को सुबह 2.15 बजे शुरू होगी जो अगले दिन 7 जून को सुबह 4:47 बजे तक रहेगी। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार जब एकादशी तिथि दो दिनों तक पड़ती है और दोनों ही दिन उदया तिथि का संयोग बनता है तो गृहस्थ जीवन जीने वाले साधकों को पहले दिन यानि 6 जून को व्रत करना चाहिए। निर्जला एकादशी हिन्दू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण, पुण्यदायी एकादशियों में मानी जाती है। ग्रंथों में माना जाता है कि निर्जला एकादशी का व्रत रखने से सालभर की 24 एकादशियों के बराबर पुण्य प्राप्त होता है।

छबील लगाकर दी शहीद जीवन सिंह को श्रद्धांजलि

ओढां। गांव रोहण निवासी जीवन सिंह की याद में समस्त ग्रामीणों व आसपास के गांवों के लोगों द्वारा रविवार को ठंडे मीठे पानी की छबील लगाकर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई। गौरक्षा दल के स्टेट प्रधान हरप्रीत सिंह रोहण ने बताया कि उमस भरी गर्मी के मौसम में राहगिर को ठंडा पानी पीने को मिल जाए तो इससे बड़ी सेवा व पुण्य नहीं है। तपती दोपहरी में ठंडा पानी अमृत के समान है। हरप्रीत सिंह ने बताया कि गांव रोहण निवासी जीवन सिंह 24 अक्तूबर 2024 को दुश्मनों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे। उन्होंने बताया कि उसके परिवार में तीन बेटियां हैं और परिवार बिल्कुल गरीब है, लेकिन अभी तक सरकार व प्रशासन की ओर से कोई सहयोग नहीं दिया गया है।

मंसूरी, मनाली और शिमला के लिए टैक्सी गाड़ियों की बढ़ी मांग

गर्मी की छुट्टियों में पहाड़ी-बर्फीले इलाके बन रहे पसंदीदा डेस्टिनेशन

टूर एंड ट्रैवल्स से जुड़े लोगों के पास बुकिंग और पूछताछ के लिए बढ़ी भीड़

सुरेन्द्र असीजा ⏭ फतेहाबाद

प्रदेश में रविवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो गया। ऐसे में करीब-करीब सभी परिवारों में घूमने की प्लानिंग शुरू हो गई है। जिले में टूर एंड ट्रैवल्स से जुड़े लोगों के पास बुकिंग और पूछताछ के लिए भीड़ बढ़ गई है। ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि जो भी ग्राहक आ रहा है, वह सबसे पहले यही पूछता है कि घूमने के लिए सबसे अच्छा स्थान कौन सा रहेगा। कुछ लोग खुद भी अपना प्लान लेकर आ रहे हैं। गर्मियों में लोगों के हिल स्टेशन की तरफ रूख करने को देखते हुए रोडवेज ने भी शिमला के लिए बसों की संख्या बढ़ा दी है वहीं जिले से गुजरने वाली ट्रेनों में रिजर्वेशन बढ़ी है। गर्मियों की छुट्टियों में अधिकतर लोग पहाड़ी और बर्फीले इलाकों में जाने को लेकर क्रेज ज्यादा है। इनमें मनाली, कुल्लू, शिमला और मंसूरी सहित उत्तराखंड के अनेक पर्यटन स्थल शामिल है। इसके अलावा चार धाम यात्रा शुरू होने के बाद काफी संख्या में लोगों की पहली पसंद यह यात्रा बनी हुई है। चार धाम यात्रा व अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालु अभी से दिल्ली से प्लेन की टिकटें बुक करवा रहे हैं। फतेहाबाद के लोगों की बात करें तो यहां के लोगों मनाली और मंसूरी जाने में सबसे ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। कुछ लोग गोवा की भी बात करते हैं, लेकिन ट्रैवल एजेंट उसे कम पसंद करते हैं। लोग फ्लाइट, ट्रेन, बस और निजी गाड़ियों का सहारा ले रहे हैं।

फतेहाबाद। बुकिंग के लिए तैयार खड़ी गाड़ियां। *फोटोः हरिभूमि*

ट्रैवल्स के पास एडवांस बुकिंग

सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टियां शुरू हो चुकी है। बच्चे घूमने को लेकर उत्साहित हैं। अभिभावक भी तैयार हैं। ट्रैवल एजेंटों के पास तत्काल गाडियां उपलब्ध हैं, लेकिन 5 जून से सिंगल गाड़ियों वाले चालकों के पास दो हफ्ते तक की बुकिंग हो हो चुकी है। सात सीटर एर्टिगा कार के लिए प्रतिदिन 6000 रुपए चार्ज तय है। चाहे गाड़ी एक भी किलोमीटर न चले, फिर भी भुगतान करना होगा। यह चार्ज पहाड़ी इलाकों के लिए है। किलोमीटर आधारित किराए में मनाली, शिमला जैसे पहाड़ी इलाकों के लिए 18 रुपए प्रति किमी और सामान्य इलाकों के लिए 15 रुपए प्रति किमी देना होगा। कम से कम 300 किमी की यात्रा का भुगतान जरूरी है। इसके अलावा टोल टैक्स, पार्किंग और 500 रुपए प्रति रात का चार्ज अलग से देना होगा।

बड़ी गाड़ी का 16 से 20 रुपये प्रति किमी चार्ज

पांच सीटर कार के लिए सामान्य इलाकों में 12 रुपए और पहाड़ी इलाकों में 15 रुपए प्रति किमी किराया तय है। ट्रैवल एजेंसी संचालक रमेश कुमार ने बताया कि बड़ी गाड़ियों जैसे स्कॉर्पियो और इनोवा की भी डिमांड बढ़ी है। इन गाड़ियों के लिए पहाड़ी इलाकों में 20 रुपये और सामान्य इलाकों में 16 रुपए प्रति किमी किराया लिया जा रहा है।

रोडवेज ने शिमला रूट पर चलाई अतिरिक्त बस

रेल और बसों में भी बुकिंग बढ़ी है। जिले के जाखल व टोहाना रेलवे स्टेशनों से हिल स्टेशन की तरफ जाने वाली ट्रेनों में 20 प्रतिशत तक टिकट बुकिंग में बढ़ोतरी हुई है। पहले रोजाना 200 के करीब टिकट बिकते थे, अब यह संख्या बढक़र 260 से 300 तक पहुंच गई है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि लोग छुट्टियों में घूमने जाना चाहते हैं। हरियाणा रोडवेज ने शिमला रूट पर यात्रियों की संख्या बढने के कारण एक अतिरिक्त बस चलाई है। इससे यात्रियों को राहत मिली है। इसके अलावा सालासर व खाटू श्याम के लिए भी फतेहाबाद से प्रतिदिन शेयरिंग बसें व गाड़ियां जा रही हैं।

पत्नी और उसके प्रेमी की हत्या करने वाले पति को जेल भेजा

पुलिस ने चाकू व खून से सने कपड़े किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

शहर के तिलकनगर इलाके में अपनी पत्नी और उसके प्रेमी की चाकू से गोदकर हत्या करने के मामले में गिरफ्तार मृतका के पति दीपक को पुलिस ने रविवार को अदालत में पेश किया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में हिसार जेल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयोग किए गए चाकू और खून से सने कपड़े आरोपी के घर में रखे बैड से बरामद कर लिए है। पुलिस आरोपी को निशानदेही के लिए घटनास्थल पर भी लेकर गई ताकि घटना सीन को रिक्रिएट किया जा सके। पुलिस अभी गहनता से मामले की जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने अपने भतीजे नवीन की मदद से ऋतिक और पूजा की बाइक को रुकवाया था। टोहाना थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी दीपक को शनिवार को अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। इस दौरान उससे वारदात में प्रयोग किए गए चाकू और खून से सने कपड़े बरामद किए गए है। आरोपी को रविवार को दोबारा न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

टोहाना। आरोपी दीपक को अदालत में पेश करने ले जाते पुलिस कर्मचारी।

योग जीवन जीने का एक तरीकाः एसपी

- पुलिस कर्मियों संग की विभिन्न योगिक क्रियाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

आगामी 21 जून 2025 को मनाए जाने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष्य में रविवार को बरनाला रोड़ स्थित पुलिस लाइन सिरसा में योग दिवस आयोजित किया गया जिसमें पुलिस कर्मियों ने हिस्सा लिया। सिरसा आयुष विभाग के अधिकारी डॉ. सुरेंद्र नागर एवं उनकी टीम के मार्गदर्शन में योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत पुलिस कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार की योगिक क्रियाएं करवाई गई। योग क्रियाएं करने उपरांत पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि योग हमारी प्राचीन पद्धति है, जो हमारे पूर्वजों की देन है। यह न केवल मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। योग करने से मनुष्य शारीरिक और मानसिक रूप से पूर्ण रूप से स्वस्थ रहता है।

सिरसा। पुलिस लाइन में योग करते पुलिसकर्मी। *फोटोः हरिभूमि*

फतेहाबाद। जिला पुस्तकालय को लेकर आयोजित सभा को संबोधित करते आनंदवीर गिलांखेड़ा। *फोटोः हरिभूमि*

जिला पुस्तकालय को शहर से बाहर शिफ्ट किए जाने का विरोध

- कमेटी की गठित, मंगलवार को डीसी से करेगी मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

शहर के पुराने बस स्टैंड के पास स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में कई सालों से चल रहे जिला पुस्तकालय को शहर से दूर शिफ्ट करने का विरोध तेज होता जा रहा है। इस मामले में रविवार को पटवार भवन में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा सार्वजनिक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें जिला पुस्तकालय को शहर से 3 किलोमीटर दूर नए बस स्टैण्ड पर शिफ्ट करने का विरोध किया गया। बैठक में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा इस मामले में विस्तार से चर्चा के बाद लाइब्रेरी बचाओ कमेटी का गठन किया गया। इस कमेटी में 5 संयोजक बनाए गए जिनमें पार्षद मोहन लाल नारंग, साहित्यकार डॉ.लोक सेतिया, जिंदगी संस्था के अध्यक्ष हरदीप सिंह, अध्यापक संघ के जिला प्रधान राजपाल मित्ताथल, एडवोकेट सुशील बिश्नोई शामिल हैं। इस अलावा पुस्तकालय के आने वाले विद्यार्थियों को भी कमेटी सदस्य बनाया गया है।

बैठक में लिया फैसला

बैठक में फैसला लिया है कि इस मामले को लेकर कमेटी का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को जिला उपायुक्त मनदीप कौर से मिलेगा और डीसी से आग्रह किया जाएगा कि जिला पुस्तकालय को शहर के अंदर ही रखा जाए ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका फायदा मिल सके। साथ ही जिला पुस्तकालय के नए भवन का भी जल्द निर्माण करवाने की मांग की जाएगी। इसके अलावा इस मामले को लेकर संस्थाओं द्वारा हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा। यदि डीसी से मुलाकात के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कमेटी द्वारा आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा।

तिथि में बदलावः सिरसा कुश्ती प्रतियोगिता अब 4-5 जून को

- प्रतियोगिता भगत सिंह स्टेडियम, सिरसा में कराई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

जिला सिरसा में होने वाली बहुप्रतीक्षित कुश्ती प्रतियोगिता सिरसा कुमार एवं कुमारी तथा सिरसा केसरी (पुरुष व महिला वर्ग) की तिथि में बदलाव किया गया है। यह प्रतियोगिता पहले 2 जून से 3 जून तक प्रस्तावित थी, जिसे अब संशोधित कर 04 जून से 05 जून को आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह आयोजन भगत सिंह स्टेडियम, सिरसा में किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी जगदीप ने सभी पहलवानों, कोचों तथा अखाड़ा संचालकों से कहा है कि इस प्रतियोगिता के दौरान सभी आयु वर्गों के मुकाबले करवाए जाएंगे। प्रतिभागियों का वजन सुबह सात बजे से नौ बजे तक लिया जाएगा, जिसके बाद कोई भी खिलाड़ी वजन के लिए पात्र नहीं होगा। कुश्ती मुकाबले ठीक दस बजे शुरू कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में पुरुषों के फ्री स्टाइल व ग्रीको रोमन दोनों प्रकार के मुकाबले सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर वर्गों में होंगे।

महिला वर्ग में केवल फ्री स्टाइल के मुकाबले होंगे और वह भी इन्हीं तीन वर्गों में विभाजित होंगे। सीनियर महिला वर्ग के लिए वजन श्रेणियां 50, 53, 55, 57, 59, 62, 65, 68, 72, 76 किलोग्राम निर्धारित की गई हैं।

महिला और पुरुष वर्ग में निर्धारित श्रेणियां

सीनियर पुरुष फ्री स्टाइल वर्ग के लिए श्रेणियां 57, 61, 65, 70, 74, 79, 86, 92, 97, 125 किलोग्राम निर्धारित की गई है। वहीं, सीनियर पुरुष ग्रीको रोमन वर्ग में 55, 60, 63, 67, 72, 77, 82, 87, 97, 130 किलोग्राम की श्रेणियां रहेंगी। जूनियर (अंडर 21) पुरुष और महिला वर्गों में भी यही वजन श्रेणियाँ मान्य रहेंगी। सब-जूनियर (अंडर 17) महिला वर्ग की वजन श्रेणियाँ 36-40, 43, 46, 49, 53, 57, 61, 65, 69, 73 किलोग्राम निर्धारित की गई है। सब-जूनियर पुरुष फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन दोनों में वजन श्रेणियाँ 41-45, 48, 51, 55, 60, 65, 71, 80, 92, 110 किलोग्राम निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि सिरसा कुमार प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी का वजन 74 किलोग्राम तक होना अनिवार्य है, जबकि सिरसा केसरी प्रतियोगिता के लिए 74 से 125 किलोग्राम तक वजन अनिवार्य होगा।

चारधाम यात्रा शुरू, ऑनलाइन होटल बुकिंग करते समय नकली वेबसाइटों से रहें सतर्कः पुलिस अधीक्षक

- ठग आमजन को बना रहे निशाना सतर्क रहने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने जिलावासियों को आगाह करते हुए कहा है कि चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो चुका है, और ऐसे समय में अनेक श्रद्धालु ऑनलाइन माध्यमों से होटल, टूर पैकेज, कैब सेवा व हेलीकॉप्टर आदि की बुकिंग कर रहे हैं। इसी का लाभ उठाकर साइबर ठग आमजन को निशाना बना रहे हैं, इसलिए नागरिकों को अत्यधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर अपराधी फर्जी वेबसाइट, सोशल मीडिया प्रोफाइल तथा व्हाट्सऐप अकाउंट के माध्यम से ठगी कर रहे हैं। लोग जब ऑनलाइन माध्यम से होटल, गेस्ट हाउस, टैक्सी सेवा, हेलीकॉप्टर बुकिंग या अन्य धार्मिक टूर सेवाएं बुक करते हैं, तो ये अपराधी हूबहू सरकारी व प्रतिष्ठित वेबसाइटों जैसी दिखने वाली नकली वेबसाइटें तैयार कर लोगों को ठगते हैं। इन वेबसाइटों से बुकिंग करने पर लोगों के बैंक खातों से भुगतान कट जाता है, किंतु बुकिंग का कोई पुष्टि संदेश नहीं आता।

एसपी सिद्धांत जैन।

एसपी ने आमजन से की ये महत्वपूर्ण अपील

- ऑनलाइन बुकिंग से पूर्व वेबसाइट की प्रमाणिकता की अच्छी तरह से जांच करें।
- वेबसाइट के यूआरएल में किसी भी प्रकार की त्रुटि या असमानता दिखे तो उसमें लेनदेन न करें।
- किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें।
- किसी लिंक पर क्लिक करने से पहले सुनिश्चित करें कि वह विश्वसनीय स्रोत से ही प्राप्त हुआ है।
- बुकिंग के लिए हमेशा सरकारी या प्रमाणित ट्रैवल वेबसाइट का ही उपयोग करें।
- नई ट्रैवल एजेंसियों पर सिर्फ सस्ती दरों के कारण भरोसा न करें। केवल विश्वसनीय और अनुभवी एजेंसियों को ही प्राथमिकता दें।

ठगी का शिकार होने पर करें तुरंत शिकायत

एसपी ने कहा कि यदि किसी नागरिक को नकली वेबसाइट या साइबर ठगी का अनुभव होता है, तो बिना देर किए इसकी शिकायत नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर करें अथवा हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। उन्होंने पुनः अपील करते हुए कहा कि ₹सतर्कता ही सुरक्षा है। कोई भी ऑनलाइन सेवा बुक करते समय सही जानकारी और विवेक का उपयोग करें, ताकि आप और आपके परिवार की यात्रा सुरक्षित और सुखद हो।

दशोटन

पहले लड़के के जन्म पर दादा 'दशोटन' किया करता था जिसमें वह सारे गाँव तथा आस-पास के गाँवों के लोगों को भोज पर आमंत्रित करता था। 'दशोटन' एक प्रकार का बड़ा भोज होता है, जिसमें परिवार के मुखिया की शान-शौकत का पता चलता था। आजकल यह प्रथा लुप्त प्राय: है। सारा परिवार शिशु के लाड़-लड़ाने तथा पोषण में व्यस्त हो जाता है। परिवार में वंशवृद्धि की सब खुशियाँ मनाते हैं लेकिन 'दशोटन' अब कहीं-कहीं ही देखने को मिलता है।

लुप्त हो रही सांस्कृतिक धरोहर जन्म संस्कार

परम्पराएं

डा. रमाकान्ता

प्राचीन उपनिषदों में हिन्दू धर्म के अनुसार प्रत्येक मानव के लिए जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का निर्वहन करना अनिवार्य बताया गया है। इनमें गर्भ में (जन्म पूर्व) तीन संस्कार गर्भधारण, पुंसवन, सीमन्तोनयन, जन्म के बाद चार संस्कार, जातकर्म निष्क्रमण,अन्नपूर्णा चूड़ामणि संस्कार हैं।

वैवाहिक संस्कारों में पिशाच विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, आयुर्वेद विवाह प्राजापत्य विवाह,आर्ष विवाह, दैव विवाह एवं ब्राह्मण विवाह, सात प्रकार के विवाह माने गए हैं। सोलहवां तथाअंतिम संस्कार मृत्यु संस्कार माना गया है। संस्कार किसी भी प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत होते हैं जिसमें उस प्रदेश के समाज की परंपराएं,धार्मिक-सामाजिक मान्यताएं-आस्थाएं मूल रूप में प्रतिबिंबित होती हैं। इनका संरक्षण करने का दायित्व समाज की नई पीढ़ी का होता है। संस्कारों की एक शृंखला का लुप्त होना आने वाली पीढ़ी का समाज की धरोहर से वंचित होना है। वही संस्कृति दीर्घकालिक अस्तित्व में रहती है जिसकी परंपराएं जीवित हैं।

हरियाणा प्रदेश में जन्म संबंधी संस्कारों में गर्भधारण के पश्चात सर्वप्रथम सातवें मास में गर्भवती की गोद भराई की रस्म की जाती है। उस के सफल प्रसव तथा पुत्रवती होने का आशीर्वाद दिया जाता है। उसे पीहर ससुराल पक्ष के लोग उपहार देते हैं। इस अवसर पर मंगल गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर गाया जाने वाला लोक मंगल गीत इस प्रकार है :

पाँच पतासे पन्ना का बिडला, ले गणपत पै जाईयो जी,
पाँच पतासे लौगा का जोड़ा, ले पितरां थै जाईयो जी

शिशु जन्म के बाद सभी रीतियों को संपन्न करते समय मंगल गीत के साथ जज्चा गीत गाए जाते हैं। इन गीतों में गर्भधारणा से लेकर ओजणे, कड़सूले, दाई गीत, होलर तथा व्यंग्य-हास्य गीत गाए जाते हैं :

मनै भावैं कराले के बेर रपैये के सेर, मेरा री मन बेर नै
सुसरे आगै अरज करूँ थी, मैनें हरी-हरी दाख मँगा द्यो जी

गर्भ धारण करने के पश्चात गर्भवती की खान-पान रुचि बदल जाती है कभी उसे उल्टी की शिकायत होती है तो कभी खाने की वस्तुओं में से दुर्गन्ध आती है। उसका मन नित नई चीजे (खट्टी-मीठी) खाने को करता है। इनमें बेर, मतीरा, आम, गोला, सिंघाड़ा, सांभर फली, दाख प्रमुख है।

कड़सूले : कड़सूले का अर्थ है 'प्रसव की झूठी पीड़ा'। प्रसव से पूर्व गर्भवती को प्रसव पीड़ा का आभास होता है, इसे 'नकली दर्द' भी कहा जाता है। इस अवस्था में गर्भवती तथा घर वालों के हाथ पैर फूल जाते है तथा झटपट दाई को शीघ्र बुलाकर लाने की व्यवस्था की जाती है -

भाज-लूज कै नै सासू धोरै आई, दाई नै बुला दे री
सास मेरी कड़ म्हं दर्द सै
पड़दे के ओल्हे राजा, खड़्या-खड़्या डोलै
कहो तै जच्चा दाई नै ल्यावां रै बुलाय

लोक भाषा में 'कड़सूल कड़ तथा सूल अर्थात, कड़ का अर्थ कमर एवं सूल का अर्थ दर्द। प्रसव में उठने वाली कमर की दर्द।

स्वप्न : प्रसव से पूर्व गर्भवती को कई प्रकार के सपने आते हैं। वह सपने में स्वयं को पीला (पीलिया) ओढ़े हुए देखती है। पीलिया दिखाई देना पुत्र जन्म का संकेत माना जाता है। एक गीत प्रस्तुत है:

लाल पिलंग पै पिलियो धर सोई जी

प्रसव: प्रसव पीड़ी कव तीव्रता को भाँपते हुए घर की बड़ी - बूढ़ी, दाई अन्य समझदार महिला को बुलाकर लाने का आदेश गर्भवती अपने पति को देती है। इस अवर पर गर्भवती की मानसिक तथा शारीरिक अवस्था का चित्रण जन्म संबंधी लोक गीतों में सुन्दर ढंग से मिलता है -

नीची-नीच बगड़ बुहारूँ, दर्द उठ्या सै कमर महं
म्हारे पोहर तैं भंवर जो, माए बुला द्यो जी

शिशु जन्म : शिशु जन्म की घड़ी आ जाती है। जन्म होते ही थाल बजाकर गाँव को सूचित कर दिया जाता है। प्राचीन लोक परिवेश में समाज में पुत्र-जन्म की कामना की जाती थी। इतिहास साक्षी है कि पुत्री को जन्म के समय ही मार दिया जाता था अथवा पुत्री को सम्मान प्राप्त न था। पुत्री जन्म पर परिवार में शोक मनाया जाता था। उस के जन्म पर रीतियाँ सम्पन्न नहीं होती थी। यही कारण है कि लड़का-लड़की के अनुपात में भारी अन्तर आ गया। पुत्री जन्म पर गाए जाने वाले मार्मिक गीत उस समय की समाज की संकीर्ण मानसिकता के परिचायक हैं -

जिदिन लाडो तेरा जन्म होया था
एक रंगमहल की कूण, कन्या नै जन्म लिया

आज परिस्थितियाँ बिल्कुल बदल गई हैं। आज बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती है, पीलिया भेजा जाता है, कुआं पूजन होता है। बिरादरी तथा मित्रों में सहभोज दिया जाता है। यह परिवर्तन यकायक नही आया। बेटियाँ परिवार में बेटों से बढ़कर स्वयं को योग्य प्रमाणित कर रही है। यह सब शिक्षा के प्रचार-प्रसार के कारण ही संभव हो पाया है। आज बेटियाँ समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता प्रभावित कर रही हैं। अतः एक बेटी के जन्म से ही माता-पिता संतुष्ट हो जाते हैं तथा अन्य सन्तान की इच्छा ही नहीं रखते।

शिशु जन्म : वैज्ञानिक तथा जैनिक प्रक्रिया पूर्ण होने पर शिशु का जन्म हो जाता है। शिशु जन्म के पश्चात गर्भवती को 'प्रसूता' तथा लोकभाषा में 'जच्चा' कहा जाता है। शिशु-जन्म के पश्चात जच्चा-बच्चा को गर्म जल से स्नान कराया जाता है।

छुआणी : प्रसव के पश्चात जज्चा को गुड़, अजवायन, जीरा सौंफ तथा बादाम की तरल 'छुआणी' (पेय पदार्थ) गर्म-गर्म पिलाई जाती है। छुआणी प्रसव पीड़ा को दूर करती है तथा गर्भ के मल को साफ कर शरीर में स्फूर्ति का संचार करती है।

घुट्टी पिलाना : जन्म के बाद शिशु को सर्वप्रथम शहद की 'घुट्टी' पिलाई जाती है। घुट्टी परिवार की वृद्ध स्त्री, माता अथवा बुआ द्वारा पिलाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्र में यह विश्वास किया जाता है कि शिशु घुट्टी पिलाने वाले व्यक्ति के अनुरूप गुणों वाला होता है इसलिए शिशु को घुट्टी पिलाने के लिए, ज्ञानवान, बुद्धिमान तथा गुणवान व्यक्ति का चयन किया जाता है। घुट्टी के रूप में शिशु की जीभ पर आस्थानुसार राम, ऊ अथवा राधे लिखा जाता है। वैज्ञानिक दृष्टि से शहद शिशु के पेट के मल को साफ करता है।

दुधी धुलाना :शिशु को स्तन-पान कराने से पूर्व जच्चा के स्तनों को अच्छी तरह गंगाजल, दूध और दूध से साफ तथा कीटाणु रहित किया जाता है। इस प्रक्रिया से जच्चा के स्तनों के बाद छिद्र खुल जाते है तथा स्तनों के ऊपर तथा आस-पास जमा हुआ कालापन भी साफ हो जाता है। माँ का दूध (स्तनपान) शिशु के लिए उत्तम आहार माना जाता है। माँ के दूध में सभी प्रकार के पौष्टिक तत्व होते है। दूधी धुलाने की रीत घर की बेटी अथवा बुआ द्वारा सम्पन्न कराई जाती है उसे इस के लिए शगुन दिया जाता है।

> लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है।

नहाण बार केरे की रीत :शिशु जन्म के दूसरे अथवा तीसरे दिन 'नहाण बार' अथवा केरा घालने की रीत सम्पन्न की जाती है। जच्चा के कमरे के बाहर ओर एक ओर सातिए तथा दूसरी ओर छाबड़ी मंगल चिन्ह के रूप में गोबर द्वारा बनाए जाते हैं। ये दोनों शिशु जन्म के शुभ संकेत माने जाते हैं। इन के आगे वस्त्र (तीयल) तथा गेहूँ के दाने भी रखे जाते हैं। पड़ौस की महिलाएं 'केरे' के रूप में गेहँ के दाने अपने घरों से लाती है तथा पास रखी परात अथवा तसले में डाल देती हैं। यह भी एक प्रकार का शगुन माना जाता है। इन गेहूँ के दानों को घर की बेटी अथवा नाईन ले जाती है। इस अवसर पर मंगल गीत, पितर गीत तौर जच्चा गीत गाए जाते हैं। इस अवसर पर जच्चा के हँसी-ठिठोली करने के लिए, सीठने जैसे व्यंग्य गीत तथा हास्य गीत गाए जाते हैं।

छटी गीत इस प्रकार है :

रात छटी का आई खुशी हुई गात म्हं
पहली बधाई उसके दादा नै होवै
जिस की बेल बधाई, खुशी हुई गात क्हँ

शिशु जन्म के छटे दिन छटी मनाई जाती है। लोक मानस में ऐसा दृढ़ विश्वास व्याप्त है कि जन्म के छटे दिन भाग्य की देवी "बेमाता" शिशु के भाग्य का लेखा-जोखा लिखती है। इस दिन गोबर की बेमाता की प्रतिमा दिवार पर मांडी जाती है। मुँह पर कौड़ियों की आँखें बनाई जाती हैं तथा मूर्ति को लाल कपड़े से ढक दिया जाता है। इस दिन 'बेमाता' के स्वागत में कई प्रकार के पकवान बनाए जाते है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि छठी के दिन सब कुछ खा लेने के बाद जच्चा सब कुछ खाना आरम्भ कर देती है जो शिशु को कोई नुकसान नहीं पहुँचाता है।

सूतक लगना एवं शुद्धिकरण : जिस परिवार में शिशु जन्म लेता है उस परिवार में सूतक लग जाता है। सूतक से अभिप्रायः है 'अशुचिता' अर्थात 'अशुद्धता'। उस घर के मन्दिर में कुछ समय के लिए ज्योत-बत्ती भी नही लगाई जाती। घर के सदस्य किसी पूजा-पाठ में भी भाग नहीं ले सकते। पानी के साधन घड़ादि भी हटा दिए जाते है। 11-12वें दिन घर में यज्ञ करवाने के बाद घर का शुद्धिकरण किया जाता है। सूतक एक दादा की सभी पुत्र संतानों के घर लग जाता है।

पीहर में भेली भेजना : शिशु जन्म के पश्चात शिशु जन्म की सूचना के रूप में जच्चा के पीहर में गुड़ की भेली भेजी जाती है। पहले समय में यह पुत्र-जन्म पर ही भेजी जाती थी। भेली ससुर अथवा जेठ लेकर जाता था। वहाँ उसे शगुन रूप में धनराशि दी जाती थी। भेली भेजना शिशु जन्म का सूचक है। कुँआ पूजन के पश्चात बहन-बेटियों को उचित नेग देकर विदा किया जाता है। जन्म की इन परम्पराओं में से अधिकतर नेग-टेहले लुप्त हो गए हैं। आज की पीढ़ी की महिलाएं इन के नाम तक नहीं जानती। इस का मूल कारण यह है कि आजकल प्रसव पुरानी परम्परा के अनुसार निपुण 'दाईयों' से न करवाकर हस्पतालों में करवाया जाता है। प्रसव बाद के नेग-टेहले वहाँ सम्पन्न नहीं किए जाते। आज आवश्यकता है कि आने वाली पीढ़ी को इन परम्पराओं से अवगत अवश्य कराया जाना चाहिए।

कविता | महेन्द्र सिंह बिलोटिया

जीवन वैतरणी

गुरु की आज्ञा मोक्ष दिखावै ध्यान हरि का धर जागा
ज्ञान, ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जाएगा

माता-पिता गुरु की सेवा करनी चाहिए चित लाकै
सेवा करकै पार हुवै या तू देख लिए मेवा खाकै
पुत्र चाहवै तो सन्त की सेवा मोह माया बिसराकै
धन चाहवै तो धर्म करा कर तीर्थों पै जा जाकै
भुखे न भोजन करवाकै,ताज शीश पर धर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

विद्वानों की सेवा कर जब मां सरस्वती का वासा हो
गऊ के घी में हवन करा कर कट्ठे नहीं निराशा हो
पर त्रिया तै बचकै रहिये जब वंश बेल की आशा हो
अतिथि की सेवा करिये जब सफल तेरा घरवासा हो
आदम देह नै रासा हो ,जब चढ़ा पाप का भर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

चुगली चाटी करणिया मानस गुगा और बहरा हो
नाविक बिन नैया डूबै यो ज्ञान का दरिया गहरा हो
वो नर मुक्ति पावैगा जो श्री गुरु चरण मैं रहरा हो
नुगरे का कुण करै भरोसा जो सब तरिया तै बहरा हो
जो सत्संग न लहरा हो,वो अपने आप समर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

जो वेद शास्त्र रटले मानस वो वेदाचारी रहा करै
बिना भुख चाहें मेवा खाले वाह भी खारी रहा करै
दादा मांगेराम की सेवा कर वो आज्ञाकारी रहा करै
गुरु अमरसिंह बिलोटे आला वो अटल अटारी रहा करै
जडै गरुड़ सवारी रहा करै,तू महेंद्र सिंह डिगर जागा
ज्ञान ध्यान से बन्दे तू भी परलै पार उतर जागा।

कविता | संदीप शर्मा

साँझ निगोड़ी

ढळ-ढळ जावै नित ,साँझ निगोड़ी !
सांस चलैं सैं पर , जिंदगी तो थोड़ी !

आधी तो सोकै खोई ,रोकै भी खोई गई
लोभ और त्रिया मैं ,माया मैं मोही गई
बणना भी चाहुँ था मैं, सेठ किरोड़ी !

विषयों का पान कर् या, तनै [illegible] बिरान कर् या
राम नै दी जिंदगी का, मनैं अपमान कर् या
चढ़-चढ़ चाल्या मैं तो, ख्यालां की घोड़ी !

पढ़ अनजाण होया, खुद का ना ज्ञान होया
जन्म मनुष का हीरा, पशुआं समान होया
टूटी नहीं रै मेरी ,घमंड की ज्योड़ी !

मोती भी सीप होज्या ,जलता जै दीप होज्या
करले भलाई जै तूं , पार संदीप होज्या
ना तै सूखी जा सै तेरी, सासां की जोहड़ी !

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दरकते रिश्ते पहले एक-दूसरे के यहां आने-जाने से रिश्ते मजबूत होते थे और उनमें भावनात्मक लगाव पैदा होता था, अब पहले वाली बात नहीं रही

अब रिश्तेदारियों में नहीं , पर्यटन स्थलों पर बीत रहीं छुट्टियां

परिवेश

राज कुमार नरवाल

विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ उमड़ने वाली है। सब होटल फुल हो जाएंगे और सड़कों पर जाम की स्थिति बनी रहेगी। देशभर से लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचेंगे तो अव्यवस्था होना लाजमी है। प्रशासन को भीड़ को कंट्रोल करने और उनके लिए व्यवस्था बनाने में भारी मशक्कत करनी पड़ेगी। पर्यटन स्थलों पर साफ सफाई करना भी स्थानीय प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी।

पहले गर्मी की छुट्टियों में लोग अपने बच्चों को पर्यटन स्थलों पर न ले जाकर नाना-नानी, बुआ या मौसी के पास ले जाते थे। ऐसा करने से रिश्ते मजबूत होते थे। रिश्तेदारों के बीच भावनात्मक लगाव पैदा होता था। अब लोग अपने बच्चों को रिश्तेदारियों में नहीं ले जाते। बचपन घरों में कैद हो गया है। एक दूसरे की देखा देखी या अपनी शान ओ शौकत दिखाने के लिए लोग पर्यटन स्थलों पर जाना पसंद करते हैं। शहरी बच्चे छुट्टियों में गांव चले जाते थे। इस दौरान उन्हें ग्राम्य जीवन के बारे में जानने का मौका मिलता था। खेतों में उगाई जाने वाली सब्जियों, हरा चारा और अन्य फसलों की जानकारी हो जाती थी। खेतों में पेड़ पौधों और नदियों, नहरों, रजवाहों और खेतों की सिंचाई प्रक्रिया जानने का मौका मिलता था। खेती बाड़ी, पशुपालन के अलावा वहां के खान-पान और रहन-सहन की पूरी जानकारी मिल जाती थी।

दूध दुहना और दूध बिलौना सीखते थे। वहां के रीति-रिवाज और संस्कृति को जानने का मौका मिलता था। गांव के जोहड़ में बच्चे तैरना सीख जाते थे। रात को सोते समय नाना-नानी, मौसा-मौसी अथवा बुआ-फूफा बच्चों को शिक्षाप्रद कहानियां सुनाते थे, ये शिक्षाएं बच्चों के जीवन में काम आती थी। पिछले कुछ दशकों में रिश्तेदारों के बीच आपसी मेल-जोल में कमी और संबंधों में खटास आई है। इसका खामियाजा बच्चे भुगत रहे हैं। लोगों ने रिश्तेदारियों में जाना कम कर दिया है।

लोग अपने बच्चों को तो रिश्तेदारी में भेजना बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। जिस वजह से अगली पीढ़ी के बीच भावनात्मक लगाव नहीं बन पाता और रिश्ते केवल दिखावे के रह गए हैं। ऐसे में ब्याह-शादी के आयोजनों में रिश्तेदारों का शामिल होना भी केवल खानापूर्ति ही रह गया है। पहले रिश्तेदार के सुख-दुख में लोग दिल से शामिल होते थे। कोई बीमार हो जाता अथवा किसी की मौत हो जाती तो रिश्तेदारों को काफी दुख पहुंचता था। अब शोक और बीमारी में रिश्तेदारी में जाना केवल मजबूरी भर रह गया है। इसकी वजह यही है कि बच्चों को हम रिश्तेदारियों में आने-जाने का मौका ही नहीं देते। जिस वजह से अगली पीढ़ियों के बीच मेलजोल नहीं बन पाता, वरना रिश्तेदारियां पीढ़ी दर पीढ़ी चलती थी।

गर्मी की छुट्टियों में हुनर सीखते थे बच्चे

गर्मी की छुट्टियों में लड़कियां घर के काम-काज करना सीखती थी ताकि ससुराल में उन्हें खाना बनाने और घर के दूसरे काम करने में दिक्कत न आए। माताएं लड़कियों को तरह-तरह के अचार बनाना और कपड़े सीलना सिखाती थी। इसी तरह पिता अपने बेटों को छुट्टियों में खेतों में ले जाते थे। उनसे खेत के काम करवाते थे। पशुओं को पानी पिलाने, उनको नहलाने और चराने का काम सिखाया जाता था। जिन लोगों के पास पशुपालन व खेती बाड़ी का काम नहीं होता था, उनके बच्चे रिश्तेदारियों में जाते थे, तो वहां पर वे ये काम सीख लेते थे।

अपरिचित जगहों पर होने लगी हैं शादियां

पहले रिश्तेदारों के जरिए ही युवक-युवतियों के ब्याह सगाई होते थे। बच्चे रिश्तेदारियों में आते जाते थे, तो उनके बारे में रिश्तेदारों को पूरी जानकारी होती थी। उनकी पढ़ाई लिखाई, उनके स्वभाव और उनके हुनर की पूरी जानकारी होती थी। लेकिन अब रिश्तेदारों तक को यह नहीं पता होता कि उक्त रिश्तेदार का बेटा या बेटी में क्या हुनर है और उनका स्वभाव कैसा है। पहले बताया जाता था कि हमारे फलां रिश्तेदार की बेटी या बेटा ऐसे हैं और तुम्हारे लिए यह रिश्ता बिल्कुल अनुकूल है। अब बिना परिचय वाली जगह से रिश्ते बनते हैं और जल्दी ही वे टूट भी जाते हैं।

इन बातों का रखें ख्याल

संबंध : रिश्तों में आपसी संबंध मधुर और मजबूत होने चाहिए। इसके लिए एक-दूसरे का सम्मान, विश्वास और सहयोग आवश्यक है। साथ ही, समय-समय पर मिल-जुल कर बातचीत करते रहना भी ज़रूरी है।

सम्मान और विश्वास: एक-दूसरे के विचारों, भावनाओं और रुचियों का सम्मान करना चाहिए। विश्वास रिश्ते की नींव है, इसलिए एक-दूसरे पर भरोसा करना चाहिए।

सहयोग: मुसीबत के समय एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। यह सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है।

क्षमाशील होना: एक-दूसरे की गलतियों को माफ करना चाहिए। इससे रिश्ते में प्यार और विश्वास बना रहता है।

संचार : नियमित रूप से एक-दूसरे से बात करते रहना चाहिए। यह रिश्तों को मजबूत बनाता है।

फिल्मों की कहानियां देती हैं सकारात्मक संदेश : संजय सैनी

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी कलाकारों ने प्रादेशिक संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की पहचान देश-विदेश तक पहुंचाई है, जिसमें हरियाणवी फिल्मों, लोक संस्कृति से जुड़ी रागनी, सांग तथा लोक संगीत के क्षेत्र की अलग विधाओं में कलाकारों का हुनर अपनी अलग ही पहचान रखता है। ऐसे ही कलाकार हैं संजय संजू सैनी, जिन्होंने एक छोटे से गांव से बॉलीवुड तक अपने अभिनय का सफर तय किया है। उन्होंने कई फिल्मों और वेबसीरीज की कहानियां लिखीं और उन पर बनी फिल्मों का निर्देशन के साथ-साथ अभिनय भी किया है। उन्होंने अपने लेखन, फिल्म अभिनय और निर्देशन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिसमें कला की हर विधा समाजिक सरोकार के मुद्दों में सकारात्मक संदेशों का समावेश करने में सक्षम है।

हरियाणा संस्कृति संवर्धन में जुटे लेखक एवं निर्देशक संजय संजू सैनी का जन्म 10 अक्टूबर 1990 को जींद जिले के गांव बरौली में एक किसान परिवार में कंवर सिंह और इंदू देवी के घर में हुआ। इनके पिता हरियाणा सरकार के शिक्षा विभाग में अध्यापक पद पर कार्यरत रहे, जबकि माता गृहिणी हैं। इनके पिता नौकरी करने के अलावा खेती-बाड़ी में भी हाथ बंटाते थे। परिवार में इनके चाचा पंजाबी भाषा के अध्यापक हैं, जो सुरजीत बिंदरखिया की कैसेट लाते थे। शायद उसी के कारण उन्हें बचपन में कला व संगीत में अभिरुचि होने लगी। उनके गांव की ही एक टोली रागनी गाने और घढ़वे-बैंजो बजाती थी, तो वह भी चोरी छिपे उनके साथ रहता था। बकौल संजय सैनी, पहली बार उन्हें लिखने का एहसास उस समय हुआ था, जब उनके दोस्त के उपर प्रस्ताव लिखना था। संजू ने मॉय बेस्ट फ्रेंड को अलग-अलग तरीक़े से चार बार लिख दिया था। इसमें एक बार हास्य, फिर दुख, इसके बाद गंभीर और अंत में गुस्सैल तरीके से लिखा, तो उनके अध्यापक ने उनकी पीठ थपथपाई थी। दरअसल यह लिखने का कारण था कि सबके दोस्त एक जैसे कैसे हो सकते है? उन्होंने बताया कि एक बार वह अपने दोस्त के साथ गलती से 'चंडीगढ में पंजाब कला भवन सेक्टर 16 गया, जहां उन्होंने मंचन देखा और फिर वहीं का होकर रह गया। नकी पहली कृति एक कविता थी, जो कि एक न्यूज़ चैनल की वेबसाइट पर प्रकाशित हुई थी। दरअसल वह कॉलेज के दिनों में ही फिल्म की कहानी लिखने लगे थे। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई के दौरान रॉकी मेंटल की कहानी लिखी और सौभाग्यवश इसे चयनित कर लिया गया। इसके बाद मन में आया कि उन्हें लेखन कार्य को अपना करियर बनाना चाहिए। हाल ही में उनके कुछ प्रोजेक्ट बड़े प्रोडक्शन हाउस से आने वाले हैं। सैनी ने बताया कि उनके फ़िल्मों का सफ़र कुछ ऐसा रहा कि फ़िल्म की कहानी लिखने और अपनी लिखी फ़िल्म थिएटर में देखने का मौका मिल गया था, लेकिन तब भी इधर काम करने का इरादा कम ही था। लेकिन उनकी लिखी हुई पहली दोनों कहानियों पर फ़िल्म बनी, तो उनका खुद पर आत्मविश्वास बढ़ने लगा और उन्हें लगा कि जो वह करने आया था वह उसी राह पर है। फिल्म निर्देशक संजय संजू सैनी का कहना है कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह डाक्टर नहीं बन पाया। मन में यह ऐसी पीड़ा बस गई कि नौकरी करना उनकी किस्मत में नहीं था, क्योंकि उनका लेखन की तरफ ज्यादा रूझान बढ़ता गया। वह असमंजस में रहे कि फिल्म लाइन का कोई भरोसा नहीं, फ़िल्म बन भी गई तो चलेगी या नहीं, इसका डर अलग रहा। इन सभी सवालों का जवाब उन्हें उनके स्वर्गीय दादा हवा सिंह ने देते हुए दिया कि बेटा खेती कौनसा सिक्योर है? लेकिन हमने भी तो जीवन निकाल लिया और उतार चढ़ाव आना जिंदगी का हिस्सा है। इसलिए जो कर रहे हो उस पर ध्यान रखते हुए शिद्दत से काम करो। उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

यहां से मिली मंजिल

लेखक एवं निर्देशक संजय सैनी ने बताया कि उन्होंने कबड्डी खेली है और राज्य स्तर के टूर्नामेंट तक खेला। उन्होंने कालेज की पढ़ाई के दौरान ही खेलों पर फिल्म 'रॉकी मेंटल' की कहानी लिखी और उसे फिल्म के लिए चुना गया। उन्होंने वेबसीरीज फिल्म अखाड़ा (एक और दो), स्कैम, पिंकी भाभी के किरदार की पटकथा लिखी और अभिनय भी किया। अखाड़ा के लिए उन्हें हिफ्फा से सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवार्ड भी मिल चुका है। पहलवानों और उनके संघर्ष पर ही आधारित फिल्म 'अखाड़ा' वेबसीरीज को लेकर लेखक संजय सैनी काफी चर्चा में है। इसके निर्माण के लिए उन्होंने काफी समय तक हरियाणा के गांवों और छोटे कस्बों में शोध कार्य करके यह वेब सिरीज लिखी है। वर्तमान में वह बॉलीवुड में दो हिंदी फ़िल्म, एक वेब सीरीज़ में बतौर लेखक और निर्देशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

खबर संक्षेप

सामान खरीदने आए युवक ने गल्ले से चुराई नकदी

सिरसा। स्थानीय पुलिस चौकी खैरपुर वाली गली में एक दुकान पर सामान खरीदने आए युवक गल्ले में पड़ी 7 हजार रुपए की नकदी चुरा कर ले गया। युवकों के जाने के बाद दुकानदार ने गल्ला संभाला तो उसे पता चला। पुलिस को दी शिकायत में अंकुश निवासी खन्ना कॉलोनी ने बताया कि वह पुलिस चौकी खैरपुर वाली गली में दुकान करता है। सवा एक बजे वह खाना खाने के लिए गया था। दुकान पर उसकी पत्नी सारिका थी। इसी दौरान मुंह ढांपे हुए दो युवक आए और उसकी पत्नी से झाड़ू मांगा। जब उसकी पत्नी झाड़ू देने लगी तो एक युवक ने गल्ले में पड़ी 7 हजार रुपए की नकदी चोरी कर ली।

तेज धारदार हथियार से हमला करने पर दूसरा काबू

डबवाली। थाना शहर डबवाली पुलिस ने रास्ता रोककर तेजधार हथियार से हमला करने के आरोपी सुनील कुमार निवासी गांव डबवाली को दबोचा है। शहर थाना प्रभारी उप निरीक्षक शैलेंद्र कुमार ने बताया कि बीती 28 मार्च को कर्ण वार्ड नंबर 18 मंडी डबवाली के बयान कि बीती 25 मार्च को जब वह दुकान से सामान लेकर अपने घर की ओर जा रहा था जो अलीकां रोड पर ठेके के पास आरोपी द्वारा उसका रास्ता रोककर तेजधार हथियार से हमला किया गया।

स्कूल वैन की टक्कर से पालतू कुत्ते की मौत

सिरसा। जिला के गांव फग्गू में एक स्कूल वैन की टक्कर से पालतू कुत्ते की मौत के मामले में कुत्ते के मालिक ने रोड़ी थाना पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत में गांव फग्गू निवासी सुरजीत सिंह ने बताया कि उसके पास एक पालतू कुत्ता है। उसने बताया कि बीती शाम गांव फग्गू में एक स्कूल की वैन के चालक ने गली से गुजर रहे उसके पालतू कुत्ते को टक्कर मार दी।

दो बाइकों में टक्कर, दो घायल, मामला दर्ज

रतिया। रतिया के गांव कमाना के पास दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई टक्कर में दो युवक घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस मामले में रतिया पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव कमाना निवासी परविन्द्र कौर ने कहा है कि गत दिवस गुरसेवक सिंह पोलट्री फार्म पर काम करने वाले रमाकांत के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान रतिया की तरफ से आ रहे मोटरसाइकिल के चालक ने उनकी के मोटरसाइकिल में सीधी टक्कर दे मारी और मौके से फरार हो गया।

मतुवाला विद्यालय में योग जागरण शिविर आयोजित

सिरसा। गांव मतुवाला के स्कूल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कामन योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण जिला व ब्लॉक स्तर पर आरंभ किए गए हैं। सिरसा ब्लॉक जिला योग समन्वयक डॉक्टर सुरेंद्र पाल नागर की देखरेख में करवाया गया। प्रशिक्षण में योग सहायक निर्मला मतुवाला ने योगदान दिया।

कवि गोष्ठी में कवियों ने दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

प्राणी जगत के अस्तित्व के लिए पर्यावरण बचाना अत्यंत आवश्यक : डॉ. कादयान

- गांव मताना, फतेहाबाद में संचालित प्ले स्कूल में कार्यक्रम का किया आयोजन
- अध्यक्षता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जींद के जिला सलाहाकार रणधीर मताना ने की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पिघलते ग्लेशियर, घटती हरियाली, बिगड़ता पर्यावरणीय संतुलन के कारण प्रकृति संरक्षण जटिल होता जा रहा है। समस्त प्राणी जगत के अस्तित्व के लिए पर्यावरण बचाना अत्यंत आवश्यक है। यह बात वरिष्ठ साहित्यकार, यायावर छायाकार डॉ. ओमप्रकाश कादयान ने आज नीर धरोहर सोसायटी द्वारा गांव मताना, फतेहाबाद में संचालित प्ले स्कूल में आयोजित कवि गोष्ठी में बतौर मुख्यअतिथि संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जींद के जिला सलाहाकार एवं साहित्यकार रणधीर मताना ने की। शिक्षक एवं कवि डॉ. सुदामा शास्त्री ने मंच संचालन किया।

डॉ. कादयान ने कहा कि जब हमारा हर सांस पेड़-पौधों के कारण कायम है तो हम क्यों धरा ही हरियाली को मिटाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्य ही है जो पर्यावरण को दूषित कर रहा है तथा जंगलों का सफाया भी। शेष सभी प्राणी तो प्रकृति के सहचर है। कवि सम्मेलन में वरिष्ठ कवि डॉ. सुरेश पंचारिया, प्राध्यापक व कवि दिवाकर जयन्त, रणधीर मताना, डॉ. सुदामा शास्त्री, ओमप्रकाश कादयान, देवेन्द्र कुमार 'अंशक', दीपांशु वर्मा, हिमांशु आदि कवियों ने अपनी रचनाओं से प्रकृति बचाने, अधिक से अधिक पेड़ लगाने का संदेश दिया। रणधीर मताना ने कवियों का स्वागत व धन्यवाद किया। इस अवसर पर नीर धरोहर सोसायटी की ओर से सभी कवियों को सम्मानित किया गया। युवा कवि दिवाकर ने नए अंदाज में प्रकृति संरक्षण व हरियाली बचाने का संदेश 'मिले नवजीवन प्रकृति को उन्नति के फूल खिलाने को, पेड़-पौधे बने प्रगति के ध्वजवाहक, सृष्टि में नूतन रंग रचाने को' पंक्तियों से दिया।

फतेहाबाद। कार्यक्रम में कवियों को सम्मानित करते नीर धरोहर सोसायटी के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

तनावमुक्त जीवन जीने की दी सलाह

डॉ. सुरेश पंचारिया ने जहां अपनी कई कविताओं में पर्यावरण बचाने की बात कही वहीं तनावमुक्त जीवन जीने की सलाह दी। उन्होंने कहा 'धार वक्त की प्रबल है, इसमें लय से बहा करो, जीवन कितना क्षणभंगुर है, मिलते-जुलते रहा करो।' हिन्दी के प्रवक्ता व युवा कवि देवेन्द्र कुमार 'अंशक' ने खिले गुलशन व सावन की बात कही कि 'गुल-गुलशन खिलाओ, खिले हर प्यारा चेहरा, सावन है आने वाला, दिखे रंग गहरा हरा-हरा।' डॉ. सुदामा शास्त्री ने अपनी ओजपूर्ण वाणी में अपने भाव इस तरह व्यक्त किए 'प्रकृति से सृष्टि चलेगी, सृष्टि से जीवन, अमन चैन शांति मिलेगी, कर लो संरक्षण।' रणधीर मताना ने कहा 'हरी-भरी वादियां, सुंदर ये नजारे, कल-कल बहते झरने, मन को लगते प्यारे।' हिमांशु वर्मा ने पर्यावरण बचाने के लिए घर-घर अभियान चलाने की बात कही तो दीपांशु ने पर्यावरण को साफ-सुथरा व हरा-भरा रखने की बात अपनी रचनाओं में कही।

रतिया। रिहायशी क्षेत्र से हाई वोल्टेज तारें गुजारने का विरोध करते लोग।

हाई वोल्टेज तारों को रिहायशी इलाके से गुजारने का विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

- लोगों ने बिजली विभाग के खिलाफ किया प्रदर्शन

गांव ढाणी जखन दादी कॉलोनी, प्रेम नगर के लोगों ने कालोनी के बीचों-बीच से बिजली की हाई वोल्टेज तारें लगाने का विरोध किया है। इस मामले में रविवार को कालोनीवासियों ने बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि ढाणी जाखनदादी, प्रेम नगर कॉलोनी में बिजली विभाग द्वारा हाई वोल्टेज बिजली की तार कॉलोनी के बीच में से गुजारी जा रही है। कालोनीवासी पहले भी इसका विरोध कर चुके हैं। कुछ दिन तक बिजली विभाग द्वारा तारों का काम बंद कर दिया गया था लेकिन अब फिर बिजली विभाग के कर्मचारी हाई वोल्टेज तार को कॉलोनी से गुजारने के लिए आए तो कालोनीवासियों ने इसका विरोध शुरू कर दी। हरीश कुमार पंच, राकेश कुमार, अमित, सूरज, राजू, सुखा, दर्शन, रमेश आदि ने बताया है कि कहीं भी हाई वोल्टेज तारें रिहायशी इलाके में नहीं गुजारी जा सकती लेकिन बिजली विभाग के द्वारा जबरदस्ती कर यहां से तारे गुजरने का प्रयास किया जा रहा है। लोगों ने कहा कि हाई वोल्टेज तारे फतेहाबाद रोड से गुजारनी चाहिए लेकिन ठेकेदार बिजली विभाग के कर्मचारियों से मिलकर तारें रिहायशी इलाके में गुजारना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अगर हाई वोल्टेज तारें कॉलोनी से गुजरेंगी तो जान माल का खतरा बना रहेगा। जो तारें गुजारी जा रही है वह में सडक़ के बीचों बीच है जिससे हर दिन अनहोनी की संभावना बनी रहेगी। सरकार द्वारा भी निर्देश दिए गए थे कि हाई वोल्टेज तारे हरियाशी इलाके से न गुजारी जाएं लकिन ठेकेदार बिजली विभाग से मिलकर पैसा बचाने के चक्कर में कॉलोनी के लोगों की जिंदगी को खतरे में डाल रहा है।

राजकीय महिला कॉलेज के प्राचार्य रामकुमार जांगड़ा हुए सेवानिवृत्त

रामचंद्र जांगड़ा जनवरी 2019 में जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी सिरसा तथा 2020 में राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा के प्राचार्य नियुक्त हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य रामकुमार जांगड़ा सेवानिवृत्त हो गए। उल्लेखनीय है कि प्राचार्य प्रो. रामकुमार जांगड़ा ने राजकीय नेशनल महविद्यालय सिरसा में फिजिक्स के प्राध्यापक व फिजिक्स हेड के रूप में कार्य किया और इसके बाद जनवरी 2019 में वे जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी सिरसा बने तथा नवंबर 2020 में राजकीय महिला महाविद्यालय सिरसा के प्राचार्य नियुक्त हुए। उनकी सेवानिवृत्ति के उपलक्ष्य में राजकीय महिला महाविद्यालय, सिरसा में विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिरसा जिले के विभिन्न महविद्यालयों के प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय हिसार के प्राचार्य डॉ. दलीप सिंह ने मुख्यातिथि, प्राचार्य प्रो. रामकुमार जांगड़ा की दोनों बहनों ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में डॉ. विक्रमजीत सिंह, प्रो. किरण कालड़ा, प्रो. अंकिता मोंगा, प्रो. शिवानी, प्रो. अनु, प्रो. किरणबाला, रिटायर्ड प्राचार्य श्यामलाल फुटेला, रिटायर्ड प्राचार्य डॉ. भूषण मोंगा, रिटायर्ड प्राचार्य डॉ. रविंदर पुरी, बलजीत सिंह व अंकुश मेहता ने प्रो. रामकुमार जांगड़ा के साथ बिताए हुए लम्हों का स्मरण किया एवं उन्हें आत्मीयभाव पूर्ण, मृदुभाषी एवं मिलनसार बताया।

सिरसा। प्राचार्य की सेवानिवृत्ति पर उनको विदाई देते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा का नहीं है कोई शॉर्टकट: भारतीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

शहर के सुरखाब पैलेसमें ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा रविवार को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्यातिथि शिक्षक चमन भारतीय थे। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए कहा कि शिक्षा से बढक़र कुछ भी नहीं है और शिक्षा का कोई शॉर्टकट नहीं है। इसके लिए आपको मेहनत करनी ही पड़ेगी। उन्होंने कहा कि सदैव अपने गुरुजनों, अपने माता-पिता का सम्मान करो और ज्ञान से अपने जीवन को सफल बनाओ।

सिरसा। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर ओम स्टर्लिंग गलोबल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. एनपी कौशिक, डॉ. राकेश धीमान डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ. राधे सोलंकी स्टेट मार्केटिंग हेड, डॉ. राज चौहान प्रोफेसर स्कूल ऑफ कॉमर्स, डॉ. आशीष यादव एसएससी प्रोफेसर, रोहताश जांगड़ा प्रिंसिपल स्वामी विवेकानंद स्कूल, राजेंद्र भादू प्रिंसिपल सहित अन्य गणमान्यजन मौजूद थे।

न्यू इनकम टैक्स बिल पर हुआ पब्लिक आउटरीच कार्यक्रम

- यू इनकम टैक्स बिल 2025 की मुख्य विशेषताओं पर विस्तार से की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की सिरसा ब्रांच द्वारा न्यू इनकम टैक्स बिल 2025 पर रविवार को एक पब्लिक आउटरीच प्रोग्राम आयोजित किया गया जिसमें अनिल कुमार शर्मा मुख्यातिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम में सीए अभिषेक जैन ने न्यू इनकम टैक्स बिल 2025 की मुख्य विशेषताओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि यह बिल पुराने इनकम टैक्स एक्ट से कैसे अलग है। उन्होंने समझाया कि नया बिल टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि नया इनकम टैक्स बिल टैक्स सिस्टम की जटिलता को समाप्त कर सरलीकरण को बढ़ावा देगा, जिससे आम करदाता को टैक्स प्रक्रिया को समझना और अपनाना आसान होगा। कार्यक्रम में डॉ. अजय कुमार, धर्मपाल चौधरी, रोहताश सिंह, अतुल जैन, हिमिज खन्ना आदि मौजूद रहे।

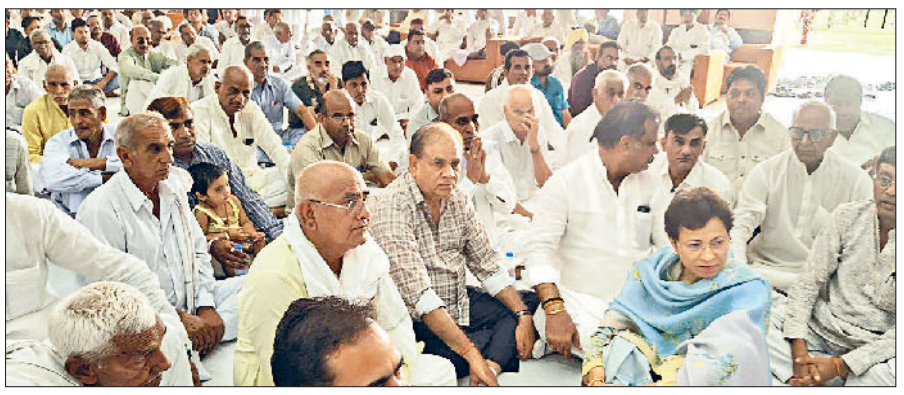
सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा सिरसा में शोक व्यक्त करते हुए। फोटो :हरिभूमि

सांसद कुमारी सैलजा ने किया शोक व्यक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को सिरसा, ऐलनाबाद, चोपटा और डबवाली में जाकर गणमान्य लोगों के निधन पर शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। कुमारी सैलजा ने राजपाल भांभू के पिता भूप सिंह भांभू के निधन पर उनके निवास पर जाकर, संजीव गर्ग के पिता प्रकाशचंद बंसल के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके निवास स्थान गौशाला रोड, सिरसा पहुंची। कुमारी सैलजा ने गौशाला रोड पर विनोद हिटलर के निधन पर, रानियां रोड पर सुभाष मेहरा के भाई रोहताश मेहरा के निधन पर, डबवाली रोड पर गजानंद सोनी के पिता बृजलाल सोनी के निधन पर, बाद में डबवाली में पवन बब्बर, उनकी पत्नी और बेटे के निधन पर डबवाली में शोक व्यक्त किया। सांसद ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। उनके साथ कालांवाली विधायक शीशपाल केहरवाला, राजकुमार शर्मा व नवीन केडिया भी मौजूद थे।

टाटा ऐस ने सड़क किनारे खड़े युवकों में मारी टक्कर, चार दोस्त घायल

रतिया। भूना रोड पर एक टाटा ऐस गाड़ी ने सडक़ किनारे मोटरसाइकिल लेकर खड़े चार दोस्तों में टक्कर दे मारी। इस हादसे में चारों दोस्त घायल हो गए। घायलों में एक को हिसार के निजी अस्पताल व दो को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है जबकि एक युवक को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। इस मामले में रतिया पुलिस ने टाटा ऐस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नं. 3 रतिया निवासी सोनी सिंह ने कहा है कि गत दिवस उसका लडक़ा दीपक पड़ोस में रहने वाले अपने दोस्त लक्की, सन्नी व रवि के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर से खेलने के लिए गए थे। जैसे ही वह भूना रोड पर जीएनआई स्कूल के पास पहुंचे। इसी दौरान टाटा ऐस गाड़ी के चालक ने मोटरसाइकिल के पास खड़े दीपक व उसके दोस्तों को सीधी टक्कर दे मारी।

मनुष्य जीवन का परम उद्देश्य परमात्मा की प्राप्ति होना चाहिए: निर्मल मनचंदा

सिरसा। संत निरंकारी मिशन की ओर से रविवार को बरनाला रोड स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में संत समागम का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रचारक निर्मल मनचंदा ने अपने विचारों से आध्यात्मिक संदेश दिया। निर्मल मनचंदा ने कहा कि मनुष्य जीवन का परम उद्देश्य परमात्मा की प्राप्ति होता है और प्रभु परमात्मा की प्राप्ति कोई असंभव कार्य नहीं है। इसके लिए पूर्ण सतगुरु की शरण में जाना होता है और अपनी जिज्ञासा प्रकट करनी होती है। साधु की संगत जीवन में बदलाव लाती है, खुशहाली लाती है और दुख दूर होते हैं। उन्होंने अनेक सामाजिक और दैनिक जीवन के उदाहरण देते हुए कई आध्यात्मिक पहलुओं को बड़ी बारीकी से समझाया, जिसे वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा से सुना।

बंद मकान में घुसकर चोरी का आरोपी गिरफ्तार, चोरीशुदा सामान बरामद

- आरोपी को अदालत में पेश कर जेल में भेजा गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

रानियां थाना पुलिस ने चांदी के जेवरात व अन्य समान चोरी की गुत्थी को सुलझाते हुए एक युवक काबू किया है। रानियां थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि गांव बणी निवासी पूनम रानी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 17 मई 2025 को वह शादी समारोह में गई हुई थी। पीछे से अज्ञात युवकों ने घर में घुसकर अलमारी से चांदी का कड़ा व बाजूबंद तथा घरेलू सामान चोरी करके ले गए थे। उन्होंने बताया कि पीड़ित महिला की शिकायत पर रानियां थाना में चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान रानियां थाना की करीवाला पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गांव बणी क्षेत्र से काबू कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान मनदीप सिंह उर्फ मीत सिंह पुत्र जग्गा सिंह निवासी गांव बणी जिला सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी से पूछताछ कर उसकी निशानदेही पर मुकदमा उपरोक्त में चोरीशुदा चांदी व अन्य समान बरामद कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए युवक को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में सिरसा जेल भेजा गया है।

सिरसा। चोरी का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

अभियान पुलिस कर्मचारियों ने श्रमदान कर चलाया स्वच्छता अभियान

'स्वच्छ थाने-सशक्त समाज' : एसपी की पहल से चमक उठे फतेहाबाद जिले के पुलिस थाने

- स्वच्छता सिर्फ एक दिन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह एक निरंतर अभ्यास है : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के निर्देशन में जिलेभर में चलाए जा रहे विशेष स्वच्छता अभियान के तहत फतेहाबाद जिले के सभी थानों, चौकियों, इकाइयों एवं पुलिस यूनिटों की तस्वीर तेजी से बदल रही है।

स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत पुलिस विभाग ने श्रमदान करते हुए न केवल कार्यालय परिसरों को स्वच्छ किया, बल्कि स्वच्छता के प्रति एक नई जागरूकता का संदेश भी दिया। इस अभियान में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

थानों और चौकियों में झाड़ू लगाकर, कचरा हटाकर तथा अनुपयोगी वस्तुओं का निस्तारण कर उन्हें चकाचक बनाया गया। केवल एक दिन के श्रमदान से पुलिस परिसरों की तस्वीर बदल गई है, जिससे न केवल कार्यस्थल की स्थिति में सुधार हुआ है, बल्कि नागरिकों में भी सकारात्मक संदेश गया है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने कहा कि स्वच्छता सिर्फ एक दिन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह एक निरंतर अभ्यास है।

हमारा प्रयास है कि सभी पुलिस इकाइयां स्वच्छ, व्यवस्थित और जनता के अनुकूल वातावरण प्रदान करें, जिससे लोगों में विश्वास और सम्मान की भावना और प्रबल हो। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत न सिर्फ कार्यालयों की आंतरिक सफाई की गई, बल्कि आस-पास के क्षेत्रों को भी स्वच्छ रखने हेतु विशेष प्रयास किए गए।

थानाध्यक्षों ने अपने नेतृत्व में पूरे स्टाफ के साथ मिलकर इस अभियान को एक जन-आंदोलन का रूप दिया।

इस सराहनीय पहल से पुलिस विभाग की संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी उजागर हुआ है। पुलिस विभाग भविष्य में भी इस प्रकार के स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, ताकि थानों की छवि और भी अधिक सकारात्मक और प्रेरणादायक बन सके।

फतेहाबाद। थानों में स्वच्छता अभियान चलाते पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

चूरा पोस्त तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने 140 किलो डोडा पोस्त की तस्करी से संबंधित मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजिंदर उर्फ राजा पुत्र खजान सिंह निवासी बेकेनाका, जिला अलवर राजस्थान के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि राजिंदर थाना भट्टूकलां में 2018 में दर्ज मामले में न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था। इस मामले में पूर्व में पुलिस द्वारा जगदीश पुत्र गुरनाम निवासी भरतपुर एवं मलकीत निवासी अलवर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

अस्पताल के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। डेरा सच्चा सौदा अस्पताल के बाहर से चोर एक मोटरसाइकिल चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में साहबराम निवासी बालासर ने बताया कि बीती 30 मई की वह अपने भांजे की बाइक लेकर डेरा अस्पताल में आया था। अस्पताल के बाहर बाइक खड़ी कर वह अस्पताल में चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इस पर उसने पुलिस को सूचित किया।

युवक अवैध पिस्तौल सहित गिरफ्तार

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद पुलिस टीम ने विशेष अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए बीते दिन रानियां थाना क्षेत्र के गांव कुस्सर से एक युवक को अवैध पिस्तौल सहित काबू किया है। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी जगदीश चंद्र ने बताया कि थाना एक टीम गश्त व चैकिंग के दौरान ढुडियांवाली बस स्टैंड पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी को महत्वपूर्ण सूचना मिली की एक युवक पैदल चलकर गांव खारिया से कुस्सर की ओर आ रहा है, जिसके पास अवैध हथियार होने की संभावना है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस पार्टी गांव कुस्सर से खारिया रोड पर जा रही थी। पुलिस पार्टी पेट्रोल पंप से थोड़ा आगे पहुंची तो गांव खारिया की ओर से एक युवक आता दिखाई दिया। उक्त युवक सामने पुलिस पार्टी को देखकर अचानक वापस मुड़कर खिसकने का प्रयास किया। शक के आधार पर पुलिस पार्टी ने उक्त युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जा से एक अवैध पिस्तौल बरामद हुआ। आरोपी की पहचान अमन कुमार पुत्र दलीप कुमार निवासी गांव कुस्सर जिला सिरसा के रूप में हुई है।

एसडीएम ने किया बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा

रतिया। उपमंडलाधीश सुरेश कुमार ने बरसात के मौसम को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बाढ़ संभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गावों चिम्मो में चिम्मो साइफन, घासवा हैड आदि बाढ़ संभावित स्थानों का निरिक्षण कर मौके पर उपस्थित अधिकारियों को बाढ़ बचाव हेतु जरूरी दिशा निर्देश दिए। एसडीएम सुरेश कुमार ने कहा कि सभी अधिकारी और कर्मचारी जिनकी ड्यूटी बाढ़ बचाव के कार्यों में लगती है, वह इस कार्य को गंभीरता से लें।

हेरोइन तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। जाखल पुलिस ने हेरोइन तस्करी से जुड़े एक मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान विकास उर्फ निनी पुत्र अशोक कुमार निवासी किला मोहल्ला, टोहाना के रूप में हुई है। इस मामले में पुलिस एक आरोपी अजय पुत्र रामनिवास निवासी डांगरा, जिला फतेहाबाद को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना जाखल के प्रभारी उपनिरीक्षक श्री कुलदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। गश्त के दौरान टीम जब रेलवे स्टेशन से होते हुए नई बस्ती, जाखल की ओर बढ़ रही थी, तभी एक व्यक्ति पुलिस को देखकर पीछे मुड़ा और तेज कदमों से चलने लगा। व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियों पर संदेह होने पर पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उससे 6.50 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

पुलिस अधीक्षक के कड़े निर्देश, मई में 140 बुलेट मोटरसाइकिल किए गए इम्पाउंड

बुलेट में अवैध रूप से 'पटाखा साइलेंसर' लगाने वाले मिस्त्रियों पर होगी सख्त कार्रवाई : एसपी

■ जिलेभर में पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगे 140 बुलेट मोटरसाइकिलों को इंम्पाउंड किया

मॉडिफाइड साइलेंसर से उत्पन्न होने वाली तेज आवाजें न केवल ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि इससे बुजुर्गों, मरीजों, छात्रों और आमजन को भारी असुविधा होती है। यह शांति भंग करने के साथ-साथ ट्रैफिक नियमों का भी उल्लंघन है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मई माह के दौरान जिलेभर में पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगे 140 बुलेट मोटरसाइकिलों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें इम्पाउंड किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कार्रवाई

बुलेट बाईक चालकों पर कार्रवाई करते ट्रेफिक पुलिस कर्मचारी

एसपी सिद्धांत जैन ने जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बुलेट मोटरसाइकिल में अवैध रूप से 'पटाखा साइलेंसर' लगाने वाले मिस्त्रियों और ऐसे साइलेंसर का प्रयोग करने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि इस तरह के मॉडिफाइड साइलेंसर से उत्पन्न होने वाली तेज आवाजें न केवल ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा देती हैं, बल्कि इससे बुजुर्गों, मरीजों, छात्रों और आमजन को भारी असुविधा होती है। यह शांति भंग करने के साथ-साथ ट्रैफिक नियमों का भी उल्लंघन है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मई माह के दौरान जिलेभर में पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगे 140 बुलेट मोटरसाइकिलों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें इम्पाउंड किया है।

एम्बुलेंस को रास्ता न देने वालों पर भी होगी सख्त कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आपातकालीन सेवाओं, विशेषकर एम्बुलेंस को रास्ता न देने वाले वाहन चालकों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में सीसीटीवी फुटेज व सोशल मीडिया से प्राप्त शिकायतों के आधार पर जांच कर दोषियों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालान अथवा अन्य दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में एम्बुलेंस को रास्ता देना हर नागरिक का कर्तव्य है। इसमें बाधा बनना न केवल अनैतिक है, बल्कि किसी की जान के लिए खतरा भी बन सकता है। ऐसे मामलों में बिल्कुल भी नरमी नहीं बरती जाएगी। फतेहाबाद पुलिस कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ नागरिकों की सुरक्षा और सुविधा के लिए पूर्ण रूप

नियमों का पालन करें

एसपी ने निर्देश दिए हैं कि बुलेट मोटरसाइकिल में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने वाले मिस्त्रियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। ऐसे वाहनों की नियमित चेकिंग की जाए तथा दोषियों पर चालान, जब्ती अथवा एफआईआर की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। आमजन को इस विषय में जागरूक किया जाए कि वे अवैध साइलेंसर का प्रयोग न करें।

दुकान से हजारों की नकदी चोरी, जांच में जुटी पुलिस

रतिया। चोरों ने रतिया में एक टाइल दुकान में घुसकर वहां से हजारों की नकदी चोरी कर ली। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मॉडल टाऊन रतिया निवासी मनीराम ने कहा है कि उसकी फतेहाबाद रोड पर रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास पाल सैनेटरी के नाम से टाइल व मार्बल की दुकान है। गत दिवस शाम को वह दुकान को सही सलामत ताला लगाकर घर चला गया था। अगले दिन सुबह जब वह स्कूल दुकान पर आया तो उसने देखा कि दुकान के पीछे का शट्टर टूटा पड़ा था और सामान बिखरा हुआ था।

लाइब्रेरी में पढ़ने गई छात्रा लापता, केस दर्ज

फतेहाबाद। शहर फतेहाबाद में पढने के लिए लाइब्रेरी गई एक छात्रा के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों ने पुलिस को शिकायत देकर फोटोस्टेट की दुकान करने वाले युवक को उनकी लडक़ी को ले जाने का आरोप लगाया है। इस बारे पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में शिव नगर फतेहाबाद निवासी एक महिला ने कहा है कि उसकी लडक़ी गत दिवस पढने के लिए शहर की एक लाइब्रेरी में गई थी और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने उसकी काफी जगह तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

एबीवीपी ने चलाया सकोरा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भूना। राजकीय महाविद्यालय में पक्षियों के लिए सकोरा लगाते हुए एबीवीपी सदस्य।

राजकीय महाविद्यालय भूना में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की इकाई ने पक्षियों के लिए सकोरा अभियान शुरू किया। इकाई अध्यक्ष कृष्ण कुमार ने बताया कि एबीवीपी के विकासार्थ विद्यार्थी आयाम द्वारा हर साल मई और जून में देशभर में यह अभियान चलाया जाता है। इसी क्रम में भूना इकाई ने भी यह पहल की। इकाई संयोजक ऋतिक कुमार ने कहा कि अगर पक्षियों का ध्यान नहीं रखा गया तो एक दिन वे पृथ्वी से लुप्त हो जाएंगे। इससे प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। पृथ्वी पर सभी जीवों का संतुलन बना रहना मानव जाति के लिए जरूरी है। एबीवीपी फतेहाबाद के जिला संयोजक बलविंदर सिंह ढक्करवाल ने बताया कि जिले के सभी महाविद्यालयों में यह अभियान चलाएगी। छात्रों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान अनुज देहड़, विकास कुमार, रोहन बेनीवाल, अजय, बजीर, ममता व अन्य मौजूद रहे।

भाजपा की बी टीम के रूप में काम कर रहे हुड्डा

इनेलो को बनाएंगे प्रदेश का सर्वाधिक मजबूत राजनीतिक संगठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

इनेलो के जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा ने कांग्रेस को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा भाजपा की बी टीम के रूप में काम कर रहे हैं और उन्हीं की वजह से आज भाजपा तीसरी बार सत्तासीन है। जसवीर सिंह जस्सा रविवार को सिरसा जिला के गांव रिसालियाखेड़ा में डबवाली हलके के कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इनेलो नेता ने भाजपा की नीतियों पर सवालिया निशान उठाते हुए कहा कि आज प्रदेश की महिलाएं, व्यापारी भय के साए तले जीने को मजबूर हैं। कानून व्यवस्था पूरी तरह से लचर है, अस्पतालों में चिकित्सक नहीं और सरकारी स्कूलों में अध्यापक नहीं होने के कारण प्रदेश का मूल इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह से चरमरा गया है। प्रदेश में भ्रष्टाचार पूरे चरम पर है। उन्होंने जिस प्रकार पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला ने अपनी दूरदर्शिता व विवेक से अपने संगठन को देश का सर्वाधिक मजबूत संगठन बनाया था, ठीक उसी तर्ज पर आज इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला पार्टी संगठन को मजबूत कर रहे है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर इनेलो जिलाध्यक्ष जसवीर सिंह जस्सा सहित तमाम वरिष्ठ पदाधिकारियों संदीप सिंह गंगा, संदीप चौधरी, गिरधारी लाल बिस्सु, ओमप्रकाश फौजी, मोहनलाल साहु, रणधीर सिंह, राकेश रामगढ़, कुलदीप जम्मू, संजय सोनी, बबलू बनवाला, महेंद्र डूडी, एजनीश कनेडी आदि गणमान्यजनों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

दुकान से नकदी व सामान चोरी मामले में तीन आरोपी दबोचे

सिरसा। पुलिस ने दुकान से नकदी व तांबे पीतल का सामान चोरी की वारदात को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को काबू कर लिया है। कीर्तिनगर पुलिस चौकी इंचार्ज विजेंद्र सिंह ने बताया कि रानियां रोड स्थित गली मोचियां वाली निवासी जितेंद्र शर्मा ने बताया कि उसकी कीर्तिनगर की मेन गली में बालाजी ट्रेडिंग कंपनी के नाम से दुकान है। बीती 27 मई की रात लगभग नौ बजे वह अपनी दुकान को मंगल कर घर चला गया। अगले दिन सुबह करीब नौ बजे दुकान पर पहुंच कर देखा तो दुकान के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। गल्ले की जांच की नकदी, तांबे व पीतल का सामान अज्ञात युवकों द्वारा चोरी करके ले जाना पाया गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर थाना शहर सिरसा में चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए घटना में संलिप्त तीन आरोपियों को काबू कर लिया है। आरोपियों की पहचान बॉबी पुत्र मंगल सिंह, गोविंद उर्फ सुंडी पुत्र पप्पू सिंह व अनमोल पुत्र रिंकू सिंह के रूप में हुई है।

धौलू के सरकारी स्कूल में दसवीं-बारहवीं में टॉप करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

भूना। धौलू के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए प्राचार्य व एसएमसी प्रधान।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धौलू में एसएमसी कमेटी की पहली बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. विजेंद्र साहू ने की। बैठक में दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। छात्रों को फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही मैडल और नगद राशि देकर प्रोत्साहित किया गया। प्राचार्य डॉ. विजेंद्र साहू ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम स्कूल स्टाफ की मेहनत, छात्रों की लगन और माता-पिता के सहयोग से संभव हुआ। एसएमसी प्रधान अमर सिंह ने सभी विद्यार्थियों और अध्यापकों को बधाई दी। इस मौके पर स्टाफ सदस्य अमनप्रीत, सुरेश कुमार, अनिल बेनीवाल, मुकेश, ममता पूनिया, रुपिन्दर, कैलाश शर्मा, संजय, विनोद गर्ग, राजबीर, राजेंद्र, सुनील, कृष्ण लाल, जसवंत सिंह, आशा, कृष्ण कौर, नेहा, सतीश, विनोद, भीम सिंह, धर्मपाल, गोवर्धन, वीरेंद्रपाल, जोगिंदर, केवल कृष्ण और सेवा सिंह मौजूद रहे।

चिकित्सा शिविर में 60 से अधिक की स्वास्थ्य जांच की

सिरसा। आयुष विभाग व दिव्य योग संस्थान मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं नाड़ी परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आयुर्वेद विशेषज्ञों ने 60 से अधिक रोगियों की नाड़ी जांच कर विभिन्न रोगों के लिए परामर्श व आयुर्वेदिक औषधियाँ प्रदान की।इस शिविर में चिकित्सकों ने पेट विकार, त्वचा संबंधी समस्याएं, जोड़ों का दर्द, मधुमेह, रक्तचाप एवं अन्य पुरानी बीमारियों से पीड़ित रोगियों की जांच की। साथ ही योग, ध्यान और खानपान से जुड़ी उपयोगी जानकारियां भी दी गईं, जिससे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सके।आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि दिव्य योग संस्थान जनहित में आयुर्वेदिक चिकित्सा की जागरूकता फैलाने के लिए आगे भी इस प्रकार के शिविर आयोजित करता रहेगा। आयुर्वेद विशेषज्ञों ने बताया कि औषधियों के साथ यदि संतुलित आहार, नियमित योग और सकारात्मक सोच को अपनाया जाए तो शरीर स्वयं रोगों से लडने में सक्षम हो जाता है।

तंबाकू छोड़ो, जीवन जोड़ोः डॉ. जयप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। कॉलेज के कर्मचारी व विद्यार्थी तंबाकू का सेवन न करने की शपथ लेते हुए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जेसीडी मेमोरियल कॉलेज ने तंबाकू और अन्य हानिकारक व्यसनों को छोडने के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम व शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में कॉलेज के कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने भाग लिया और तंबाकू का सेवन न करने तथा तंबाकू मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान जेसीडी विद्यापीठ के महानिदेशक डॉ. जयप्रकाश ने उपस्थितजनों को तंबाकू के उपयोग के खतरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शुरुआत में लोग तंबाकू का सेवन शौक के लिए करते हैं, लेकिन समय के साथ यह एक घातक लत बन जाती है जो जीवन का दुश्मन बन जाता है। उन्होंने सभी से तंबाकू के गंभीर परिणामों को समझने और स्वस्थ जीवन के लिए बेहतर विकल्प चुनने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तंबाकू एक धीमा जहर है जो धीरे-धीरे व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करता है। इसमें निकोटीन और अन्य हानिकारक रसायन होते हैं जो न केवल फेफड़ों और हृदय को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का कारण भी बनते हैं। तंबाकू का सेवन करने वाले लोग श्वसन संबंधी समस्याओं, हृदय रोगों और स्ट्रोक का शिकार होते हैं, क्योंकि यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता और आयु कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि तंबाकू के पैकेटों पर कैंसर के जोखिम की चेतावनी के बावजूद कई लोग इस खतरनाक आदत के शिकार हो रहे हैं।

अपेक्स में टेंलेंट हंट का पहला चरण, बच्चों ने अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान किया आकर्षित

फतेहाबाद। अपेक्स कान्वेंट स्कूल में टैंलेंट हंट का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के ग्रेड 11 तक के बच्चों ने भाग लिया। इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रतियोगिता के लिए आत्मविश्वास, निर्भयता, जोश व प्रतियोगी भावना का विकास करना था। टैंलेंट हंट में म्यूजिक वोकल एंड इंस्ट्रूमेंटल, डांस , एक्टिंग जैसे विषयों को चुना गया जिसमें स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी रोचकता व अभिरुचि के अनुसार विभिन्न विषयों को चुना। छात्रों ने डांस व म्यूजिक में विभिन्न प्रदेशों के लोक नृत्य व गीतों का बखूबी प्रदर्शन किया। एक्टिंग के माध्यम से समाज के ज्वलंत मुद्दों पर विचार पेश कर दर्शकों को सोचने के लिए विवश किया। प्रत्येक कक्षा से 3 से 5 टॉपर्स को दूसरे चरण के लिए चुना गया।स्कूल प्रिंसिपल उमंग कक्कड़ ने सभी प्रतिभागियों का हौंसला बढ़ाया।

'तेरी कृपा ही मेरा सब कुछ , कुछ तो है सरकार तेरी सरकारी में' भजनों पर झूमे श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

गुरु कृपा मंडल द्वारा श्री श्याम महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। रामनिवास मोहल्ला, तुलसीदास मंदिर के नजदीक पंकज सरदाना के निवास स्थान पर आयोजित कार्यक्रम में परिवार ने बाबा श्याम की ज्योत जगा कर बाबा का आह्वान किया। उसके बाद टी सीरीज कलाकार भारत टुटेजा ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने गुरु वंदना, मोहे लागी लगन गुरु चरण जैसे भजनों से माहौल को रसमय बना दिया। उसके बाद सुनील मदान ने 'बाबा जो मेरी लाज है, बाबा तेरे हाथ है, खाटू वाले श्याम जी कमाल हो गया' भजनों पर सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। ममता तनेजा ने 'राधे-राधे बोल श्याम आएंगे, बिन पिये नशा हो जाता है' भजनों से बाबा का गुणगान किया। टी-सीरीज कलाकार भारत टुटेजा ने गुरु महिमा को गाते हुए हमें गुरु के बताए गए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। उन्होंने 'तेरी कृपा ही मेरा सब कुछ है, कुछ तो है सरकार तेरी सरकारी में' आदि भजनों से सभी को नाचने पर मजबूर कर दिया। सरदाना परिवार ने गुरु कृपा मंडल का आभार व्यक्त करते हुए भारत टुटेजा को सम्मानित किया। बाबा श्याम का दरबार देखने योग्य था। उसके बाद बाबा श्याम की आरती और प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर किरण नागपाल, ममता तनेजा, सुनील मदान, रजत मेहता, साक्षी, रेनू बाला सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

अवैध शराब सहित युवक गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशामुक्त अभियान के तहत टोहाना पुलिस ने गांव जमालपुर शेखां में छापेमारी कर एक युवक को नाजायज शराब सहित गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान विक्की कुमार पुत्र देवाराम निवासी जमालपुर शेखां के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना प्रभारी एसआई शादीराम ने बताया कि पुलिस की टीम एसआई ललित कुमार के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। टीम जब जमालपुर शेखां बस अड्डे के पास पहुंची तो उन्हें सूचना मिली कि विक्की कुमार नामक युवक अवैध शराब का काम करता है।